



१०/१०/९२

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 240]

नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, अक्टूबर 24, 1991/कार्तिक 2, 1913

No. 240]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 24, 1991/KARTIKA 2, 1913

इस भाग में भिन्न वृक्ष संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकेतन के रूप लें
देखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार का नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 235-आईटीसी(पी एन)/90-93

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1991

विषय : वर्ष 1990-91 के लिए 39 मिलियन येन (39000000 येन) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से उपस्करों का भारतीय पत्तनों पर परिवहन के लिए श्रवण दृश्य उपस्कर और सेवाओं के आयात हेतु लाइसेंसिंग शर्तें।

फा.सं. आईपीसी/23(84)/90-93— 1990-91
के लिए 39 मिलियन येन की जापानी सांस्कृतिक सहायता अनुदान के अंतर्गत जापान से भारतीय पत्तनों पर उपस्कर परिवहन के लिए आवश्यक श्रवण और दृश्य उपस्कर तथा सेवाओं के आयात पर लागू होने वाली शर्त इस

सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई है जिन्हें
सूचनार्थ एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है।

डी.आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

वाणिज्यमंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 235—
आईटीसी(पी एन)/90-93, दिनांक 24-10-91 का परिशिष्ट
वर्ष 1990-91 के लिए 39 मिलियन येन (39,000,000 येन) की जापानी सांस्कृतिक अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से उपस्करों का भारतीय पत्तनों पर परिवहन के लिए श्रवण दृश्य उपस्कर और सेवाओं के आयात हेतु लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1 सामान्य शर्तें

1. (1) वर्ष 1990-91 के लिए 39 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता राष्ट्रीय संग्रहालय द्वारा श्रवण दृश्य उपस्कर के आयात के लिए और उसके भारतीय पत्तनों पर आवश्यक परिवहन सेवाओं के लिए

जापानी संभरकों को की जाने वाली यात्रायारी के बित्त पोषण के लिए है।

1. (2) अर्थातक के नाम में आयात लाइसेंस कून मिलाकर 43 मिलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) मूल्य में अधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्षक “1990-91” के लिए 39 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस कोड “एस जे एन” होंगा। परन्तु सामान्य खुले लाइसेंस के अंतर्गत आने वाली मद्दों के लिए कोई आयात लाइसेंस अपेक्षित नहीं है।

1. (3) विदेशी मद्दा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अभिकर्ता जो भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1. (4) उपस्कर की प्राप्ति इस अनुदान के अंतर्गत जापान से ही की जाए।

1. (5) आयात लाइसेंस लागत बीमा भाड़ा आधार पर जारी किया जाएगा, जोकि 31. 3. 1992 तक वैध रहेगा।

1. (6) संविदा में नकद आधार पर अर्थात वैक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोत लदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उनमें सुपुर्दंशी की गवाई के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए:—

“सुपुर्दंशी 15.3.1992 तक पूर्ण की जानी है।”

1. (7) संविदा का मूल्य (केवल लागत और भाड़ा या जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के आधार पर) येन में दर्शाया जाना चाहिए (येन की भित्ति को दृष्टाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अभिकर्ता का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। प्रत्य जिसी मुद्दा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होता चाहिए। जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा धनराशि अलग-अलग प्रदर्शित की जानी चाहिए, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का बच्चा वास्तविक आधार पर देय होगा या ठेके में निर्दिष्ट किए गए भाड़े का वास्तविक बच्चों के अतिरिक्त येन धनराश होगी।

1. (8) क्य संविदा जापानी येन में केवल जापानी राष्ट्रियों या जापानी राष्ट्रियों द्वारा नियंत्रित जापानी वैध व्यक्तियों के साथ ही जानी चाहिए। एक प्रमाण पत्र (यो प्रतियों में) जिसमें संभरक की पालता दर्शाई गई हो प्रत्येक संविदा के माथ जोड़ी जानी

खण्ड 2—संभरग ठेकों में निम्नलिखित गार्न विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए।

2. (1) 1990-91 के लिए मिलियन येन की अनुदान सहायता से संबद्ध इस संविदा की व्यवस्था 8 मई, 1991 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2. (2) विदेशी संभरकों को भुगतान उस “भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र” (ए.पी.) के भाष्यम से किया जाएगा जो 1990-91 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन वैक आफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, दण्डिग्रन आग्रल भवन, 5वां नल (वी. विंग) जनपथ, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2. (3) जापानी संभरक ऐसी मूच्चा और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए महत्व हैं जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हों।

2. (4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के माथ विचार किमर्श करके पोतनदान की व्यवस्था लगाने के लिए सहमत हो गया है और इस उद्देश्य से वह शामिल भाल की डिलीवरी के कार्यक्रम के बारे में भारतीय दूतावास, टोकियो को मूल्चित करता रहेगा और कम में दस दिन हफ्ते पहले प्रपेक्षित पोतलदान की अधिसूचना भारतीय दूतावास को देगा ताकि समुदित दरजाए जा सके। अपवाद स्वरूप ग्रंथर ग्रामतकर्ता भाहे तो नोटिस वी इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक प्रत्येक पोतनदान के दाव अर्यान्तर्वा का केवल द्वारा आवश्यक व्यापर की सूचना हेतु के लिए भी गहरात होगा तथा उनकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जाएगी।

खण्ड-3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुग्रहन।

3. (1) जमे ही आदेश का अंतिम रूप दर्शय जाने हैं, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की 6 प्रतियों या जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्य आदेश के माथ जापानी संभरक लिखित रूप में पुटिकरण आदेश की चार प्रतियों सहित सभी प्रकार में पूर्ण फोटो प्रतियों के माथ अनुवन्ध-1 के प्रवत्र में “ए/वी जारी करने के आवेदन की दो प्रतियों सहित गवर्नर निवार (जापान) आर्थिक कार्य विभाग वित्त, मंत्रालय, नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधनों में उत्तम सभी संविदा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

3. (2) वित्त मंत्रालय (डी ई ए) जापान अनुभाग (1990-91 के लिए 39 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्त दाल देने के लिए संविदा की दो प्रतियां जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सैट लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास, टोकियों को भी साथ-साथ भेजा जाएगा।

3. (3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने पर वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ क्लाफ, जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, इंडियन आयल भवन, 5वां नल, बा यिग, जनपथ, नई दिल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को अनुबन्ध-2 के अनुसार एक "भुगतान प्राधिकार पत्र" (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत सरकार का दूतावास टोकियो आयातक भारत में आयातक के बैंक और वित्त भवनालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएंगी।

3. (4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया टोकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना में संभरक को अवगत कराएंगा।

3. (5) पोलादान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकरों के माध्यमों से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संभरक को अपने बैंकरों के माध्यम से रिलीज करेगा।

3. (6) जापानी संभरक को भुगतान करने की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंकिंग प्रभारों का भुगतान भारत में आयातकर्ता के संबंधित बैंक द्वारा भारत सरकार के लेखे का प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक सूचीों के माध्यम से बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेण द्वारा तय किया जाएगा।

खण्ड-4 रूपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

4. (1) मूल पराक्राम्य पोत परिवहन दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंधित बैंक को भेजे जायेंगे जो कि भारतीय स्टेट बैंक या अनुबन्ध-1 में (ग) पर यथा उल्लिखित किसी शृंखला बैंक की एक पाखा होगी जो संबंधित आयातक को पराक्राम्य जहाजरानी दस्तावेज रिहा करने में पूर्व

इस बात को सुनिश्चित करेगा कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन भुगतान की समतुल्य रूपये की धनराशि के बराबर रूपया ब्याज के प्रभारों सहित उस धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूपये जमा करने की तिथि तक की अवधि पल पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से हिसाब-नलगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटी सी (पी एन)/83 दिनांक 10-8-83 और 35-आईटी सी (पी एन)/83 दिनांक 26-8-83 की शर्तों के अनुसार भारत सरकार के लेखे में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और और जिस दिन सरकारी लेखे में रूपये जमा किया जाता है, देय है, देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 तथा सार्वजनिक सूचना सं. 76-आईटी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-3-74 के अंतर्गत यथासंबंधित सार्वजनिक सूचना सं. 230-आईटी सी (पी एन)/85-88, दिनांक 20-7-87 की शर्तों के अनुसार आयातक द्वारा किए जाने वाले रूपये निक्षेपों को निकटस्थ रूपये में गिना जाएगा। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रूपए को गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विनिमय की वह मिश्रित दर होगी जो मुच्य नियंत्रक, आयात-नियात की सार्वजनिक सूचना सं. 8-आईटी सी (पी एन)/88-89, 88-91, दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई होगी या जो मुच्य नियंत्रक, आयात-नियात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा लम्ब-समय पर शोषित की गई होगी। इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचिन कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातकों को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने शृणदाताओं से दस्तावेजों की सुपुर्दग्दी लेने वे पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातकों की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भले ही अब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमांशुल्क प्राधिकारियों से मूल पोत-परिवहन दस्तावेज के बिना ही माल की सुपुर्दग्दी प्राप्त करते हों। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की सुपुर्दग्दी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बंद बर दिया जाए। जिस लेखा शीर्षे में उपर्युक्त रूपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपाजिट पृष्ठ एडवान्सिज 8443

सिविल डिपाजिट्स नाट वियरिंग हॉटेस्ट डिपाजिट फार परसेजिज अटस्ट्रा एस्ट्रोपरचेज ग्रन्डर ग्रांट एंड फोम टि गर्वनमेंट श्राफ जापान फार 1990-91 ग्रांट फोर दि परचेज श्राफ ओडियो बिजुअल इनिवेपमेट/सर्विसिज शाई दि नेशनल म्यूजियम ।

4. (2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक श्राफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए या ऐसा संभव न हो तो भारतीय स्टेट बैंक या उसकी किसी अनु-धंगी शाखा या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक ड्रायर से डिमाण्ड ड्रॉफ्ट लेकर उसे भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली-6 (द्वायी एण्ड पेपरी) को श्राफ किया जाए लिखकर सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 103-शाई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित रूप में जमा होना चाहिए ।

4. (3) सरकार द्वारा ऐसा किया जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में संबद्ध बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा । जो भारत सरकार द्वारा मांगी जाए । चालान के विभिन्न कालमों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकरों को इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 103-शाई टी सी (पी एन/-/76, दिनांक 12-10-1976 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम “धन परेषण” और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ब्योरे में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं । खजाना आलान में निम्न-लिखित ब्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :—

- (क) विस भवालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक ।
- (ख) ये न मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं ।
- (ग) जापानी संभरक को भुगतान करने की तिथि ।
- (घ) श्राफ किए गए ब्याज की राशि और अवधि जिसके लिए गिना गया है ।
- (इ) कुल जमा राशि (ब्याज की गणना जापानी संभरक को श्रावणी की तारीख से और उस तारीख तक जिस तारीख को समकक्ष रूपया सरकारी खाते में जमा कराया है, की जाएगी) ।

उसके पश्चात सी.ए.ए. एण्ड ए द्वारा जारी किए गए प्राधिकार का सन्दर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत-परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रूपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत श्राफ द्वारा सी.ए.ए. एण्ड ए, को भेजा जाना है ।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रूपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो की श्रावणी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और वह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए. एण्ड ए, विस भवालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा ।

4. (4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठाकान करना चाहिए और अवेदित “एस” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए ।

खण्ड—5 विधि व्यवस्थाएं

5. (1) अनुदान सहायता के उपयोग करने की रिपोर्ट ।

संभरक को की जाने वाली अदायगियों की राशि और सारीख को सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी होगी । आयातक के बैंक द्वारा देर या विनाम्र से प्राप्त पोत परिवहन इत्यादि प्रलेखों की प्राप्ति के रूपया निक्षेप राशि पर देय ब्याज राशि को आर्थिक या पूर्ण रूप से माफ करने का कारण नहीं माना जाएगा ।

आयातक का पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साखपत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेक्का एवं लेक्का परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, विस भवालय, ज़ंडियन आयल भवन, 5वां तल (बी. बिंग) जनपथ, नई दिल्ली-110001 को भेजनी चाहिए ।

5. (2) आयातक को उन किसी विशेष उपबन्धों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं ।

5. (3) विवाद—यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंस-धारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायिक नहीं लेगी । भारतीय स्टेट बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध-1 में “भुगतान की शर्तें” के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए । संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबद्ध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए ।

5. (4) भावी अनुदेश—जापान से 1990-91 के लिए अनुदान सहायता के अन्तर्गत आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापान से इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत सभी आमारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-

समय पर किए गए निदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

5. (5) अतिक्रमण या उल्लंघन—उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन पर आयात-नियर्ति (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्य-वाही की जाएगी।

5. (6) अनुबंधों की सूची

अनुबंध-1 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए
अनुरोध।

अनुबंध-2 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र।

अनुबंध-1

भुगतान के लिए प्राधिकारी-पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना-पत्र संख्या—

सेवा में,

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
“वी” विंग ५वां तल, जनपथ भवन,
जनपथ, नई दिल्ली।

विषय :— 39 मिनियन येन की 1990-91 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत श्रवण दृश्य उपकरणों और उनका भारतीय बंदरगाहों पर परिवहन करने के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात।

महोदय,

अपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से श्रवण दृश्य उपकरणों और उनके परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के संबंध में हम संबंध जापानी संभरक के पक्ष में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र भेज रहे हैं :—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और जब तक यह वैध है।

(ग) अधिप्राप्ति के तरीके क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सीमित खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करता है कि क्या संविदा का निर्णय तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ.) माल का उद्गम देश।

(च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)

(छ) यदि कोई हो तो भारतीय रूपये में भारतीय एंजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।

(ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिस के लिए भुगतान के लिए प्राधिकारी पत्र की आवश्यकता है।

(झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और दिनांक।

(ञ) जापानी संभरक का नाम और पता।

(ट) वे भुगतान और संभावित तिथि जिनको संविदा ओं के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।

(ठ) माल कि सुपुर्दगी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथिया।

(ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले वस्तावेज (प्रत्येक मेट संख्या और उनका निपटान दर्शाते हुए)।

(ढ) पोतलदान अनुदेश (अनुमेय या गैर अनुमेय बाह्यान्तरण/आंशिक पोतलदान निर्दिष्ट कीजिए)।

(ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(त) बैंक आफ इंडिया, टोकियो के प्रभार कौन वहन करेगा। कुपया निर्दिष्ट करें।

(थ) आयातक द्वारा वचनबद्धता :—

“हम एलद्डारा वचन देते हैं कि हम विदेशी संभरक को देय धनराशि से समतुल्य रूपये की पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रचलित दर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आयातिन सामग्री) के प्रत्येक परेषण की सुपुर्दगी प्राप्त करने से पूर्ण राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी राष्ट्रियों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।

भवदीय

अनुबन्ध-2
प्राधिकार पत्र सं...

सं. एक
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय :— वर्ष 1990-91 के लिए 39 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान में उपकरणों के भारतीय पत्तनों पर परिवहन के लिए प्रावध्यक श्रवण दृश्य उपकरण और सेवाओं का आयात। प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महांबाबू,

आपके बैंक के साथ 8-5-1991 को दिए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में विए गए बौरे के अनुसार सर्वश्री को येन अधिकतम धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचना दे और इस सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राजद्रुतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए।

3. प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार संभरकों को भुगतान परिशिष्ट में यथा सांकेतिक लदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करते नमय (आयातक के बैंक का नाम और पता) मूल पौत परिवहन दस्तावेज जियके साथ पराक्रम्य और अतिरिक्त दस्तावेजों का पूरा सैट और संभरक को अवायगी के लिए नामे बीजक की प्रति, जिसमें अदायगी यदि कोई हो, भेजी जानी चाहिए।

5. आपको आयातक द्वारा दस्तावेजों के रख-रखाव और समुद्र पार के संभरकों एवं बैंकरों यदि कोई हो, के प्रभारों महित अदा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े का निर्धारण सीधे आयातक बैंक द्वारा किया जाएगा।

6. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेजों आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

7. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

8. यह भुगतान प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

9. कृपया उस संख्या का उल्लेख करें जो इस अधिकार पत्र के शीर्ष पर दी गई है, इसे संविदा से संबंधित सारे पत्राचार और बीजक में भी अदायगी दर्शाति हुए लिखा जाए।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक को उसके पत्र म. दिनांक के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकरों से विभिन्न दस्तावेजों की छिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपनी बैंकरों के माध्यम से कृपया निषेप आदि जमा करने का प्रबन्ध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की छिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोत-लदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाए हों तो छिलीवरी लेने से पूर्व ही निषेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रिकों द्वारा की गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निषेप कर दिए जाएं। निषेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित आवध्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2. आयातक के बैंकर। (1) यह प्राधिकार पत्र येन अनुदान के अंतर्गत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं आदेशों आदि को देखे और आयात विदेशी भुगतान के संबंध में उचित कार्रवाई करें।

(2) उनमें निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरक को येन भुगतान के बराबर रूपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रूपये की गणना सार्वजनिक मूचना सं. 8-आई. टी.सी. (पी एन) /76, दिनांक 17-1-76 और 113-आई टी.सी. (पी एन) 88-89, दिनांक 6-4-88 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक मूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार जापानी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर ने और उरसे अधिक आवधि के लिए 18% वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरकों को भुगतान की

तारीख और जिस तारीख को समनुरूप रूपया सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटी सी (पी एन) / 83, दिनांक 10-8-83 और सार्वजनिक सूचना सं. 35-आईटी सी (पी एन) 83, दिनांक 26-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखे में जमा कराना है। ब्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह दिन जब जापानी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तारीख भी जब भारत सरकार के लेखे में रूपया जमा कराया जाता है। (अब भी इस दर में कोई परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। 20-7-87 की सार्वजनिक सूचना सं. 230-आईटी सी (पी एन) / 85-88 की शर्तानुसार आयातक द्वारा निक्षेप किए जाने वाले रूपये की गणना निकटतम रूपये की गुणक में की जानी चाहिए। यह सूनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात पराक्रम्य वस्ताविजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा कर ली जाए।

(3) वे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी विल्सी में चालान के दाकिनी और कोड सं. 5130000009 दरति हुए जमा करनी चाहिए अथवा स्टेट बैंक आफ इंडिया की शाखा या उस की उपशाखाओं या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक (आदेशक) से प्राप्त डिमांड ड्राफ्ट, जोकि स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली-6 (आदेशिती और आवाता) में देय हो, के माध्यम से भेजा जाना चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन) 76, दिनांक 12-10-78 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाना है। वह लेखा शीर्ष जिसमें स्पष्ट जमा कराना है “के डिपो-जिट्स एण्ड एडवांसिज-843 सिविल डिपोजिट्स, डिपोजिट्स नाट बेररिंग हन्ट्रस्ट डिपोजिट्स फार परचेजिज एटसेट्रा अबरोड, परचेजिज प्रण्डर ग्रांट एड फार्म दि गवर्नर्मेंट आफ जापान फार प्रण्डर डिटेल्ड हैड” मिलियन येन ग्रांट एड फार्म परचेज आफ इक्विपमेंट सर्विसेज बाई।

(4) जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना संख्या 132-आईटीसी (पीएन) / 71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि उन के द्वारा निम्नलिखित पते पर, भेजनी चाहिए, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अप्रेषण पत्र होना चाहिए :—

सहायता नेत्रा तथा नेत्रा परीक्षा नियंत्रक,
विन मन्त्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),
जनपथ भवन, 5वां तल (बी विंग),
जनपथ, नई दिल्ली-110001.

(5) जिन मामलों में तुल्य रूपया अपर संकेतित सार्वजनिक मूल्यना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेपिन करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जमा किए गए तुल्य रूपये चुकाएं गए द्वारा की राशि और वह अवधि जिसके लिए द्व्याज गिना गया है, का पूरा व्यौग इस विभाग को भेजना चाहिए।

(6) बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच के बैंक प्रभारक और विदेशी संभरकों के बैंकरों के प्रभार, यदि कोई हों, तो वे भारतीय बैंक और बैंक आफ इंडिया टोकियो के शीघ्र सीधे तथ किए जाने चाहिए।

(7) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डीलर के रूप में बैंक के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिपत्रों में विनिर्दिष्ट किया गया है। इस मंबन्ध में 18-6-1987 के ए.डी. परिपत्र सं. 22 की ओर विशेष ध्यान आकर्षित किया जाता है।

3. भारतीय दूसावास, टोकियो ।

4. अब चिकित्सा, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को श्राई. डी. सं. दिनांक के संदर्भ में ।

(लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 235 ITC(PN)|90-93

New Delhi, the 24th October, 1990

Section 2: Licensing conditions for imports

Audio Visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1990-91 of Yen 39 Million (Yen 39,000,000) regarding.

F. No. IPC/23(84)/90-93.—The terms and conditions governing import of Audio Visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1990-91 of Yen 39 million are contained in Appendix to this Public Notice and are notified for information.

**D. R. MEHTA, Chief Controller of
Imports & Exports**

Appendix to the Ministry of Commerce

Public Notice No. 235 ITC(PN)|90-93,dt. 24-10-9

Licensing conditions for import of audio visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant, Aid for 1990-91 of Yen 39 Million (Yen 39,000,000).

Section General Conditions.

I (i) The Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen 39 million is intended to be used or financing payments to Japanese Suppliers for import of Audio Visual Equipment and services necessary for the transportation thereof to parts in India, by the National Museum.

I (ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 43 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 39 million Japanese Grant Aid for 1990-91". The licence code for the first and second suffix will be "S|JN". But no import licence is required for items covered under O.G.L.

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will thereof be charged to the licence.

I (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I (v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1992.

(vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows: —

"delivery to be completed by 15-3-1992."

I (vii) The contract value (FOB or C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commissions, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II The following provision should be specifically incorporated in the supply contract.

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 8th May 1991 between the Governments of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 39 million for 1990-91 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an "Authorisation to pay" (A/P) which will

be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1990-91.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese suppliers agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III Contract Approval by Governments of India and Japan.

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (Jap), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance North Block, New Delhi 6 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order of confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex. I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen 39 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, B-Wing, Janpath, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form of Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV. Responsibility for rupee deposit.

IV (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (0) in Annexure I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier along-with interest charges thereon calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first thirty days and at 18 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC-(PN) 83 dated 10-8-83 and No. 35[ITC(PN)]83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposit is made into Government account vide public Notice No. 74-ITC(PN) 74 dated 31-3-1974 as modified under Public Notice No. NI. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-1976. In terms of Public Notice No. 230-17C(PN) 85-88 dt. 20-7-87, the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN) 76 dated 17-1-1976 and No. 113-ITC-(PN) 88-91 dated 6-4-1989 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the Import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are cor-

rectly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-deposits and Advances 8443-Civil Deposits not bearing interest, deposits for purchases etc. abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan" for 1990-91. Grant for purchase of audio visual equipment/services by the National Museum.

IV. (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India, or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks Drawer drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-1976.

IV. (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in Public Notice No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-76 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date.
- Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the Japanese supplier.
- The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- Total amount deposited

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued

by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV.(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous provisions.

V. (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid. The Importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping, documents etc. by the importers Banker will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A|P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

V. (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V. (iii) Disputes.

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V. (iv) Future Instructions.

The importer shall promptly comply with any directions, instructions of orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1990-91 from Japan.

V. (v) Breach or violation.

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V. (vi) List of Annexures :

Annexure I—Request for issue of A|P.

Annexure II—Form of A|P

Annexure-I

REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

TO

The Controller of Aid Accounts and Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
'B' Wing, Vth Floor,
Janpath Bhavan, Janpath,
New Delhi.

Subject :—Import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 39 million for 1990-91.

Sir,

In connection with the import of audio-visual equipment and services necessary for its transportation of the Equipment from Japan under the above-mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A|P to the B.O.I., Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, Date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of Procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A|P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese supplier.
- (k) Payments terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.

(p) Who will bear the banking charges of the B.O.I., Tokyo-importer or supplier, please specify.

(q) Undertaking by the importer :—

We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers".

Yours faithfully

Annexure-II

Authorisation to pay No.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Subject :—Import of Audio-Visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant-Aid of Yen 39 million, for 1990-91 Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 8-5-1991 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen to M/s

as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P may be made on the basis of shipping documents as indicated in the appendix.

4. On making payments to the foreign suppliers, you should send to _____ to _____ (Name and address of importers' Banker) the original shipping documents negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy of

the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Banking charges including charges for handling document and charges of overseas suppliers, Bankers if any, payable to you by the importers, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' bank.

7. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This A/P will remain valid upto—

9. Please quote the number given at the top of this authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

Account's Officer

Copy forwarded to.—

1. Importer with reference to their letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner before taking delivery of the negotiable documents from the bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker

(i) This authorisation to pay is issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected public notice order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese supplier on receipt of the document from the Bank of India Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN) 76, dated 17-1-76 and 113-ITC(PN) 88-89 dated 6-4-89 or

such other Public Notices as may be issued from time to time interest at the rate of 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalent are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India's account in terms of public notices No. 31-ITC(PN) 83 dated 10-8-83 and No. 35-ITC(PN) 83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account (any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN) 85-88 dt. 20-7-87 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the SBI or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I. Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice : No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is K-Deposits & Advances-8443—Civil Deposits, Deposit not bearing interest Deposit for purchases etc. abroad—purchases under grant aid from Government of Japan for under detailed head" million grant aid for purchases of equipment|services by

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), Janpath Bhavan, Vth Floor, (B-Wing), Janpath, New Delhi-110001.

- (v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.
- (vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I., Tokyo.
- (vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in foreign exchange are prescribed in various A.D. circulars of the R.B.I. specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. dt.

[]
Accounts Officer